

द्वार-मंडप पुं. (तत्.) भवन का मुख प्रवेश मंडप या मुख्य द्वार।

द्वारस्थ वि. (तत्.) 1. दरवाजे पर स्थित या बैठा हुआ, 2. दरवाजे पर लगा हुआ पुं. द्वारपाल।

द्वारा¹ क्रि.वि. (तत्.) 1. माध्यम से, जरिए 2. किसी व्यक्ति के हाथ से 3. (किसी प्रक्रिया/कारण के) परिणामस्वरूप।

द्वारा² पुं. (देश.) 1. द्वार, दरवाजा 2. स्थान जैसे- ठाकुरद्वारा, गुरुद्वारा।

द्वाराचार पुं. (तद्.) बरात का कन्या के द्वार पर प्रथम आगमन और उसका स्वागत तथा द्वार पर की जाने वाली पूजा।

द्वारावती पुं. (तत्.) द्वारका/द्वारिका नगरी, द्वारिकापुरी।

द्वारिका स्त्री. (तत्.) द्वारका/द्वारिका (नगरी), द्वारावती

द्वि वि. (तत्.) दो।

द्वि-अक्षरी वि. (तत्.) दो अक्षरों वाला शब्द।

द्वि अंगी वि. (तत्.) 1. दो अंगों वाला 2. दो भागों का बना हुआ।

द्विअर्थता स्त्री. (तत्.+तद्.) कोश. वह स्थिति जिसमें पद या वाक्य के दो या अधिक अर्थ होते हैं, द्वयर्थता।

द्विआधारी वि. (तत्.) दो आधार वाली, वह अंकन पद्धति जिसमें संख्याओं को अभिव्यक्त करने के लिए केवल दो अंकों 0 और 1 का प्रयोग होता है।

द्विककार वि. (तत्.) 1. जिसके नाम में दो ककार हों 2. जिस शब्द में दो ककार हों पुं. 1. काक 2. चक्रवाक।

द्विकर्मक वि. (तत्.) व्या. दो कर्मों वाला जैसे- द्विकर्मक क्रिया 1. जिसके साथ दो 'कर्म' हो (जैसे- 'बच्चे को दूध दो' में 'बच्चा' और 'दूध' दो कर्म हैं 2. ऐसी क्रिया जो 'अकर्मक' और 'सकर्मक' दोनों हो।

द्विकल पुं. (तत्.) छंद. दो मात्राओं का समूह।

द्विकालिक कोश पुं. (तत्.) (कोश.) दे. कालक्रमिक कोश।

द्विगु वि. (तद्.) दो गायों का समूह; पुं. व्या. एक प्रकार का समास जिसमें प्रथम शब्द संख्यावाचक होता है और दूसरा संज्ञा होता है तथा प्रधान भी, समस्त (समासयुक्त) पद से 'समूह' का बोध होता है जैसे- त्रिलोक, नवग्रह, चौराहा।

द्विगुण वि. (तत्.) दोगुना, दुगुना, दूना जैसे- 4 का द्विगुण 8 है।

द्विगुणित वि. (तद्.) 1. दो से गुणा किया हुआ 2. दो गुना, दुगुना, दूना।

द्विघात पुं. (तद्.) गणि. वह पद (अंक-गणितीय या बीजगणितीय आदि) जिसका घातांक 2 हो जैसे- s^2 , 8^2 और $(a + b)^2$ द्विघात पद हैं।

द्विचरण वि. (तद्.) दो पैरों वाला।

द्विज वि. (तत्.) 1. दो बार जन्मा हुआ (पक्षी, सर्प, मछली आदि) अंडज जंतु 2. जिसने यज्ञोपवीत धारण कर गुरु से वेद आदि का अध्ययन किया हो, चार वर्णों में से ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य वर्ण का व्यक्ति 3. दाँत।

द्विजन्मा वि. (तत्.) जिसका दो बार जन्म हुआ हो पुं. 1. जिसने यज्ञोपवीत धारण कर गुरु से वेद आदि का अध्ययन किया हो, चार वर्णों में ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य वर्ण का व्यक्ति 2. (पक्षी, सर्प, मछली आदि) अंडज जंतु 3. दाँत।

द्विजपति/द्विजराज पुं. (तत्.) 1. ब्राह्मण 2. चंद्रमा 3. गरुड़।

द्विजिह्व वि. (तत्.) 1. दो जीभों वाला 2. एक व्यक्ति/पक्ष की बातें उसके विरोधी व्यक्ति/पक्ष को बतानेवाला, दो व्यक्तियों/पक्षों में विरोध उत्पन्न करनेवाला या विरोध को बढ़ाने वाला; पुं. 1. सर्प, साँप 2. चुगलखोर 3. कपटी मनुष्य 4. दुष्ट व्यक्ति।

द्विजेंद्र पुं. (तत्.) (द्विजों में श्रेष्ठ) ब्राह्मण।

द्वितल वि. (तत्.) जिसमें दो तल हों, दुतल्ला।

द्वितीय वि. (तत्.) दूसरा; पुं. साथी।

द्वितीयक वि. (तत्.) 1. दूसरा 2. दूसरी बार होने वाला 3. किसी वस्तु के अनुकरण द्वारा बनाया हुआ वैसा ही दूसरा।